

Classification of Cost

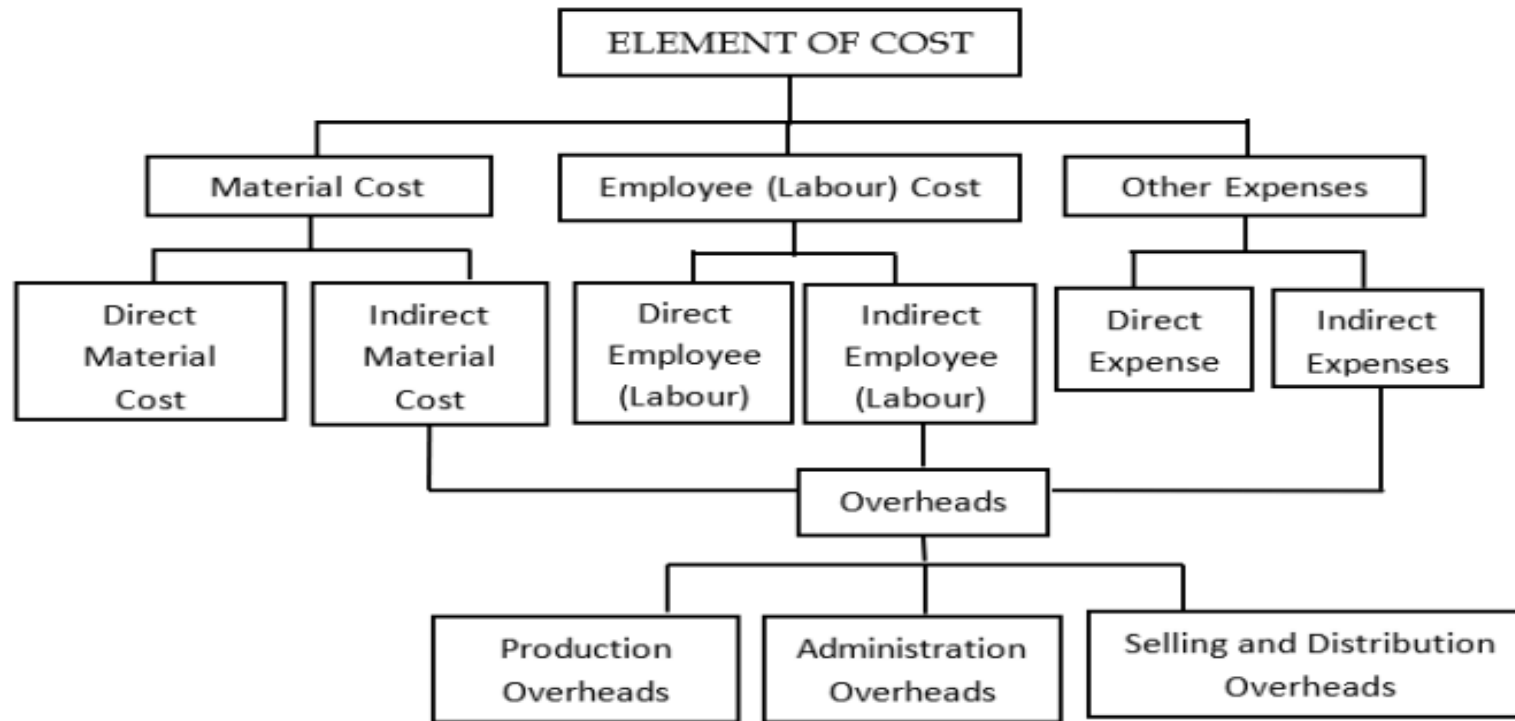
Classification of cost means the grouping of costs according to their common characteristics. The important ways of classification of costs are:

- (i) By Nature or Element
- (ii) By Functions
- (iii) By Variability or Behaviour
- (iv) By Controllability
- (v) By Normality
- (vi) By Costs for Managerial Decision Making

लागत के वर्गीकरण का अर्थ है उनकी सामान्य विशेषताओं के अनुसार लागतों का समूहन। लागतों के वर्गीकरण के महत्वपूर्ण तरीके हैं:

- (i) प्रकृति या तत्व द्वारा
- (ii) कार्यो द्वारा
- (iii) परिवर्तनशीलता या व्यवहार द्वारा
- (iv) नियंत्रणीयता द्वारा
- (v) सामान्यता से
- (vi) प्रबंधकीय निर्णय लेने की लागत से

Classification of Cost on the basis of element:



Direct Materials: Materials which are present in the finished product (cost object) or can be economically identified in the product are termed as direct materials. For example, cloth in dress making; materials purchased for a specific job etc. However, in some cases a material may be direct but it is treated as indirect; because it is used in small quantities, it is not economically feasible to identify that quantity. Those materials which are used for purposes ancillary to the business are also treated as Indirect Materials.

प्रत्यक्ष सामग्री: वे सामग्री जो तैयार उत्पाद (लागत वस्तु) में मौजूद हैं या उत्पाद में आर्थिक रूप से पहचानी जा सकती हैं, प्रत्यक्ष सामग्री कहलाती हैं। उदाहरण के लिए, पोशाक बनाने में कपड़ा; किसी विशिष्ट कार्य आदि के लिए खरीदी गई सामग्री। हालाँकि, कुछ मामलों में कोई सामग्री प्रत्यक्ष हो सकती है लेकिन इसे अप्रत्यक्ष माना जाता है; क्योंकि इसका उपयोग कम मात्रा में किया जाता है,

इसलिए उस मात्रा की पहचान करना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। वे सामग्री जो व्यवसाय के लिए सहायक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाती हैं, उन्हें भी अप्रत्यक्ष सामग्री के रूप में माना जाता है।

Direct Labour: Labour which can be economically identified or attributed wholly to a cost object is termed as direct labour. For example, employee engaged on the actual production of the product or in carrying out the necessary operations for converting the raw materials into finished product.

प्रत्यक्ष श्रम: वह श्रम जिसे आर्थिक रूप से पहचाना जा सकता है या पूरी तरह से एक लागत वस्तु के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, प्रत्यक्ष श्रम कहलाता है। उदाहरण के लिए, उत्पाद के वास्तविक उत्पादन में लगे कर्मचारी या कच्चे माल को तैयार उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक संचालन करने में।

Direct Expenses: *All expenses other than direct material or direct labour* which are specially incurred for a particular cost object and can be identified in an economically feasible way are termed as Direct Expenses. For example, hire charges for some special machinery, cost of defective work etc.

प्रत्यक्ष व्यय: प्रत्यक्ष सामग्री या प्रत्यक्ष श्रम के अलावा अन्य सभी व्यय जो विशेष रूप से किसी विशेष लागत वस्तु के लिए किए जाते हैं और आर्थिक रूप से व्यवहार्य तरीके से पहचाने जा सकते हैं, उन्हें प्रत्यक्ष व्यय कहा जाता है। उदाहरण के लिए, कुछ विशेष मशीनरी के लिए किराया प्रभार, दोषपूर्ण कार्य की लागत आदि।

Indirect Materials: Materials which do not normally form part of the finished product (cost object) are known as indirect materials. These are —

- Stores used for maintaining machines and buildings (lubricants, cotton waste, bricks etc.)
- Stores used by service departments like power house, boiler house, canteen etc.

अप्रत्यक्ष सामग्री: वे सामग्री जो सामान्य रूप से तैयार उत्पाद (लागत वस्तु) का हिस्सा नहीं बनती हैं, अप्रत्यक्ष सामग्री के रूप में

जानी जाती हैं। ये -

- मशीनों और भवनों के रख-रखाव के लिए उपयोग किए जाने वाले स्टोर (स्नेहक, कपास का कचरा, ईंटें आदि)
- बिजली विभाग, बॉयलर हाउस, कैंटीन आदि जैसे सेवा विभागों द्वारा उपयोग किए जाने वाले स्टोर।

Indirect Labour: Labour cost which cannot be allocated but can be apportioned to or absorbed by cost units or cost centres is known as indirect labour. Examples of indirect labour includes salary paid to foreman and supervisors; maintenance workers; etc.

अप्रत्यक्ष श्रम: श्रम लागत जिसे आवंटित नहीं किया जा सकता है लेकिन लागत इकाइयों या लागत केंद्रों में विभाजित या अवशोषित किया जा सकता है, अप्रत्यक्ष श्रम के रूप में जाना जाता है। अप्रत्यक्ष श्रम के उदाहरणों में फोरमैन और पर्यवेक्षकों को भुगतान किया गया वेतन शामिल है; रखरखाव कार्यकर्ता; आदि।

Indirect Expenses: Expenses other than direct expenses are known as indirect expenses. These cannot be directly, conveniently and wholly allocated to cost centres. Factory rent and rates, insurance of plant and machinery, power, light, heating, repairing, telephone etc., are some examples of indirect expenses.

अप्रत्यक्ष व्यय: प्रत्यक्ष व्यय के अलावा अन्य व्यय अप्रत्यक्ष व्यय के रूप में जाने जाते हैं। इन्हें लागत केंद्रों को सीधे, सुविधाजनक और पूर्ण रूप से आवंटित नहीं किया जा सकता है। कारखाने का किराया और दरें, संयंत्र और मशीनरी का बीमा, बिजली, प्रकाश, हीटिंग, मरम्मत, टेलीफोन आदि अप्रत्यक्ष खर्चों के कुछ उदाहरण हैं।

Overheads: The aggregate of indirect material costs, indirect labour costs and indirect expenses is termed as Overheads. The main groups into which overheads may be subdivided are as follows:

- **Production or Works Overheads:** Indirect expenses which are incurred in the factory and for the running of the factory. E.g.: rent, power etc.
- **Administration Overheads:** Indirect expenses related to management and administration of business. E.g.: office rent, lighting, telephone etc.

- **Selling Overheads:** Indirect expenses incurred for marketing of a commodity. E.g.: Advertisement expenses, commission to sales persons etc.
- **Distribution Overheads:** Indirect expenses incurred for dispatch of the goods E.g.: warehouse charges, packing(secondary) and loading charges.

उपरिव्यय: अप्रत्यक्ष भौतिक लागतों, अप्रत्यक्ष श्रम लागतों और अप्रत्यक्ष खर्चों के योग को उपरिव्यय कहा जाता है। मुख्य समूह जिनमें ओवरहेड्स को उप-विभाजित किया जा सकता है, वे इस प्रकार हैं:

उत्पादन या कार्य उपरिव्यय: अप्रत्यक्ष व्यय जो कारखाने में और कारखाने के संचालन के लिए किए जाते हैं। जैसे: किराया, बिजली आदि।

प्रशासन उपरिव्यय: व्यवसाय के प्रबंधन और प्रशासन से संबंधित अप्रत्यक्ष व्यय। जैसे: कार्यालय का किराया, प्रकाश व्यवस्था, टेलीफोन आदि।

विक्रय उपरिव्यय: किसी वस्तु के विपणन के लिए किए गए अप्रत्यक्ष व्यय। जैसे: विज्ञापन खर्च, सेल्स पर्सन को कमीशन आदि।

वितरण उपरिव्यय: माल के प्रेषण के लिए किए गए अप्रत्यक्ष खर्च जैसे: गोदाम शुल्क, पैकिंग (द्वितीयक) और लोडिंग शुल्क।

By Functions

Under this classification, costs are divided according to the function for which they have been incurred. It includes the following:

- I. Direct Material Cost
- II. Direct Employee (labour) Cost
- III. Direct Expenses
- IV. Production/ Manufacturing Overheads

- V. Administration Overheads
- VI. Selling Overheads
- vii. Distribution Overheads
- VII. Research and Development costs etc.

कार्यों द्वारा

इस वर्गीकरण के तहत, लागतों को उस कार्य के अनुसार विभाजित किया जाता है जिसके लिए उन्हें खर्च किया गया है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- I. प्रत्यक्ष सामग्री लागत
- ii. प्रत्यक्ष कर्मचारी (श्रम) लागत
- III. प्रत्यक्ष व्यय
- iv उत्पादन/विनिर्माण उपरिव्यय
- V. प्रशासन उपरिव्यय
- VI. उपरिव्यय बेचना
- vii. वितरण ओवरहेड्स
- VII अनुसंधान और विकास लागत आदि

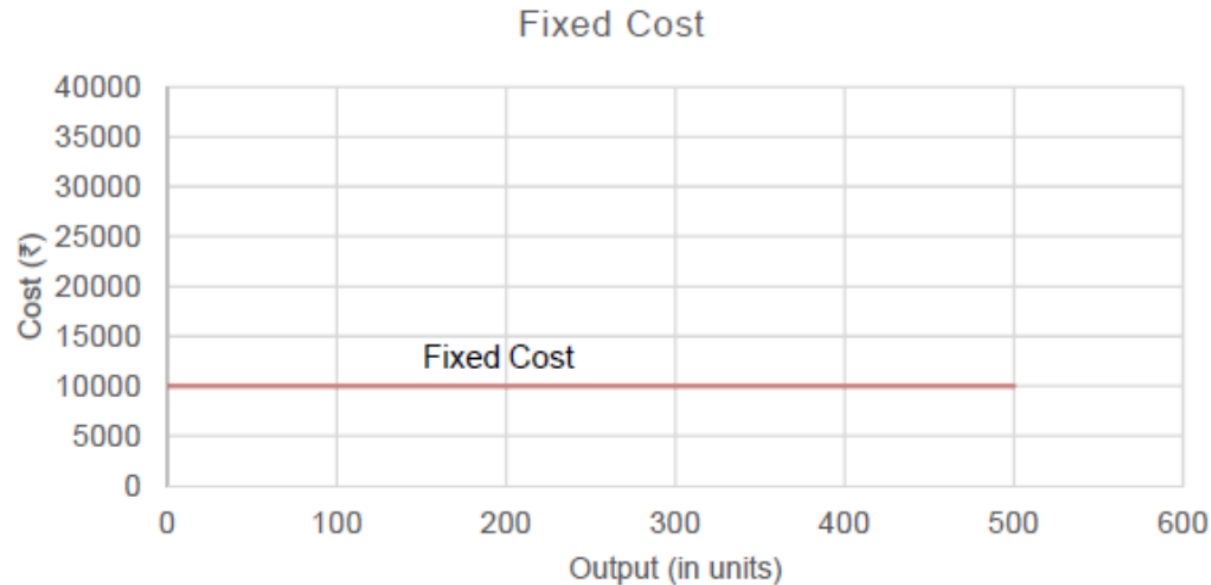
By Variability or Behaviour

परिवर्तनशीलता या व्यवहार द्वारा

Based on this classification, costs are classified into three groups viz., fixed, variable and semi-variable and semi-fixed. इस वर्गीकरण के आधार पर, लागतों को चार समूहों में वर्गीकृत किया जाता है, स्थिर, परिवर्तनीय और अर्ध-परिवर्तनीय और अर्ध-स्थिर।

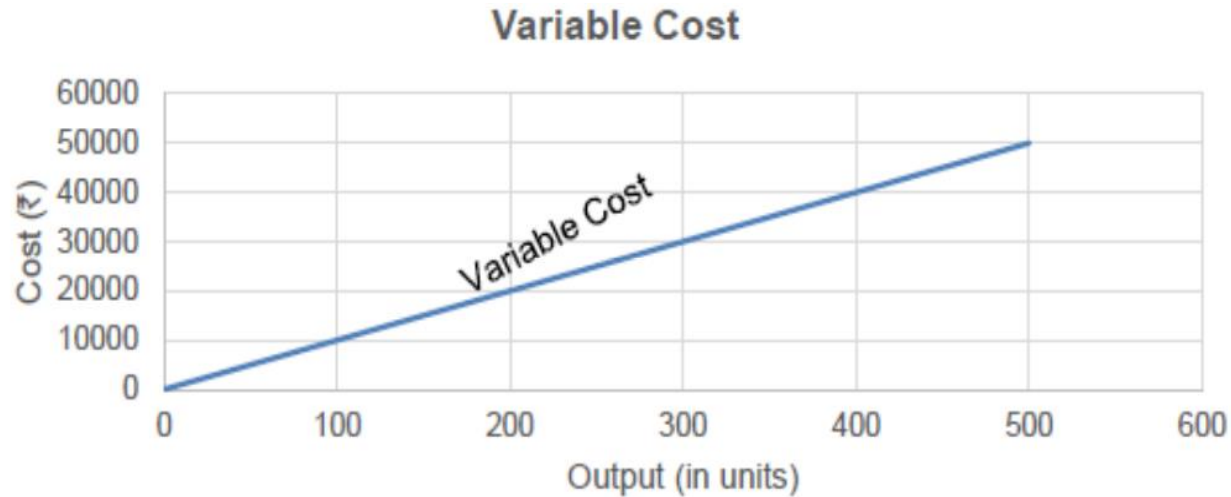
1. Fixed costs– These are the costs which are incurred for a period, and which, within the certain output and turnover limits, tend to be unaffected by fluctuations in the levels of activity (output or turnover). They do not tend to increase or decrease with the changes in output. For example, rent, insurance of factory building etc., remain the same for different levels of production.

स्थायी लागतें- ये वे लागतें हैं जो एक अवधि के लिए खर्च की जाती हैं, और जो निश्चित आउटपुट और टर्नओवर सीमाओं के भीतर, गतिविधि के स्तर (आउटपुट या टर्नओवर) में उतार-चढ़ाव से अप्रभावित रहती हैं। वे आउटपुट में बदलाव के साथ बढ़ने या घटने की प्रवृत्ति नहीं रखते हैं। उदाहरण के लिए, किराया, कारखाने के भवन का बीमा आदि उत्पादन के विभिन्न स्तरों के लिए समान रहते हैं।



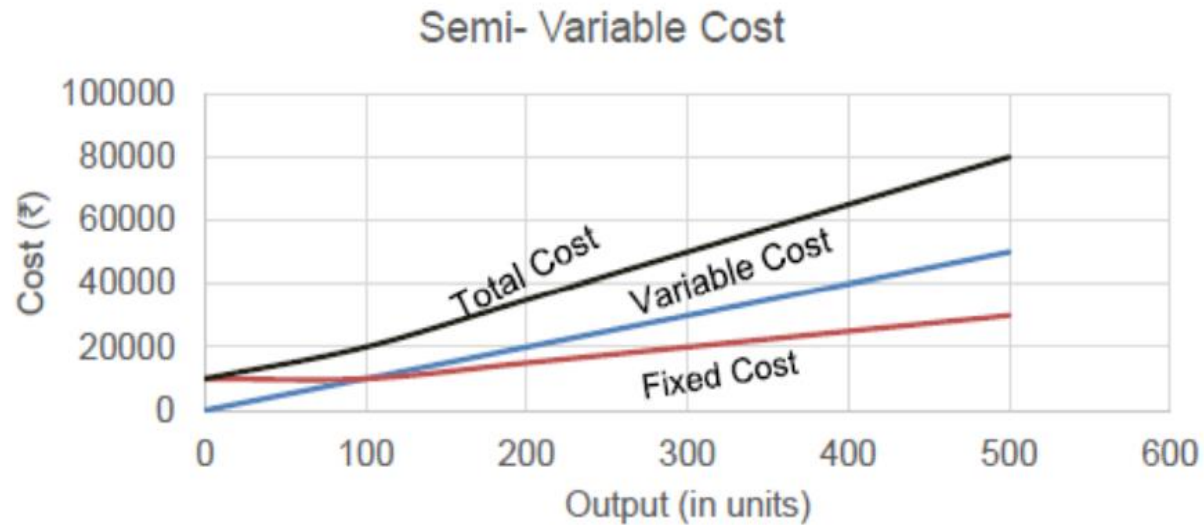
2. Variable Costs– These costs tend to vary with the volume of activity. Any increase in the activity results in an increase in the variable cost and vice-versa. For example, cost of direct material, cost of direct labour, etc.

परिवर्तनीय लागत- ये लागत गतिविधि की मात्रा के साथ बदलती रहती है। गतिविधि में किसी भी वृद्धि के परिणामस्वरूप परिवर्तनीय लागत में वृद्धि होती है और इसके विपरीत। उदाहरण के लिए, प्रत्यक्ष सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष श्रम की लागत आदि।



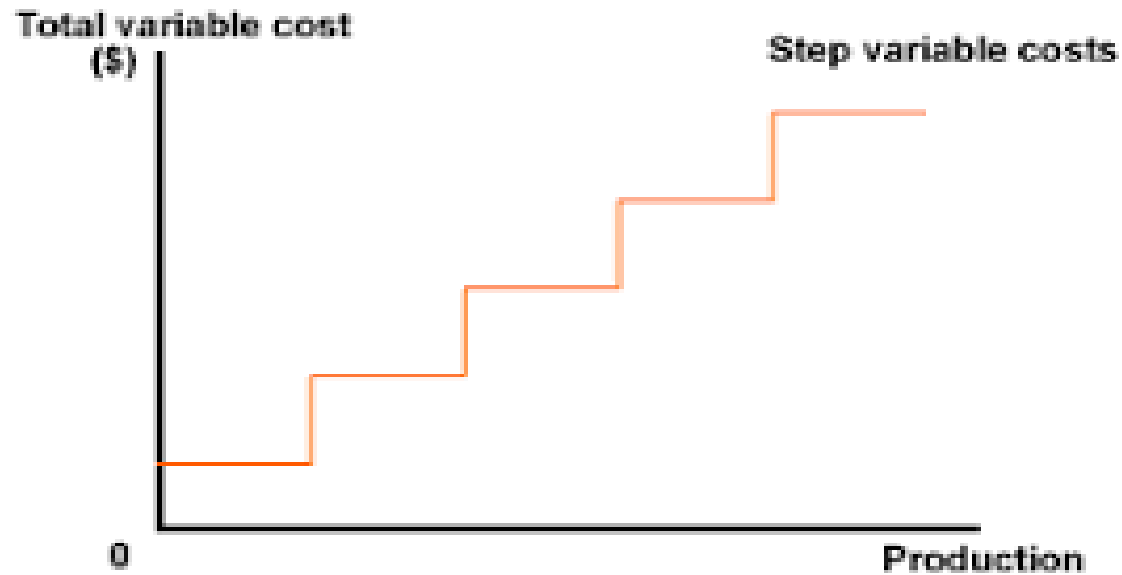
3. Semi-variable costs– These costs contain both fixed and variable components and are thus partly affected by fluctuations in the level of activity. Examples of semi variable costs are telephone bills, gas and electricity etc. Such costs are depicted graphically as follows:

अर्ध-परिवर्तनीय लागत- इन लागतों में निश्चित और परिवर्तनीय दोनों घटक होते हैं और इस प्रकार गतिविधि के स्तर में उतार-चढ़ाव से आंशिक रूप से प्रभावित होते हैं। अर्ध परिवर्तनीय लागतों के उदाहरण टेलीफोन बिल, गैस और बिजली आदि हैं। इस तरह की लागतों को ग्राफिक रूप से निम्नानुसार दर्शाया गया है:



4. Semi-fixed cost or stepped fixed cost: A semi-fixed cost or stepped fixed cost is one where the cost remains fixed within a narrow range of activity but shows abrupt and distinct upward change with the increase in output. Example of Semi- fixed cost is supervision cost.

अर्ध-स्थायी लागत या सीढ़ीनुमा स्थायी लागत एक अर्ध-स्थायी लागत या सीढ़ीनुमा स्थायी लागत वह है जहां लागत गतिविधि की एक संकीर्ण सीमा के भीतर स्थिर रहती है, लेकिन आउटपुट में वृद्धि के साथ अचानक और अलग ऊपर की ओर बदलाव दिखाती है। अर्ध-स्थिर लागत का उदाहरण पर्यवेक्षण लागत है।



By Controllability

- i. Controllable Costs: - Cost that can be controlled, typically by a cost, profit or investment centre manager is called controllable cost. Controllable costs incurred in a particular responsibility centre can be influenced by the action of the manager heading that responsibility centre. For example, direct costs comprising direct labour, direct material, direct expenses and some of the overheads are generally controllable by the shop floor supervisor or the factory manager.

- ii. Uncontrollable Costs - Costs which cannot be influenced by the action of a specified member of an undertaking are known as uncontrollable costs. For example, expenditure incurred on rent of factory which is apportioned to a machine shop is not controlled by the machine shop foreman.

नियंत्रणीयता द्वारा

i. नियंत्रणीय लागतें: - लागत जिसे नियंत्रित किया जा सकता है, आमतौर पर एक लागत, लाभ या निवेश केंद्र प्रबंधक द्वारा नियंत्रित लागत कहा जाता है। किसी विशेष जिम्मेदारी केंद्र में होने वाली नियंत्रणीय लागत उस जिम्मेदारी केंद्र के प्रबंधक की कार्रवाई से प्रभावित हो सकती है। उदाहरण के लिए, प्रत्यक्ष लागत जिसमें प्रत्यक्ष श्रम, प्रत्यक्ष सामग्री, प्रत्यक्ष व्यय और कुछ ओवरहेड शामिल हैं, आमतौर पर दुकान के फर्श पर्यवेक्षक या कारखाना प्रबंधक द्वारा नियंत्रित होते हैं।

ii. अनियंत्रित लागत - वे लागतें जो किसी उपक्रम के एक निर्दिष्ट सदस्य की कार्रवाई से प्रभावित नहीं हो सकतीं, उन्हें बेकाबू लागत के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए, कारखाने के किराए पर किए गए खर्च को मशीन की दुकान में विभाजित किया जाता है, मशीन शॉप फोरमैन द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है।

By Normality

Normal Cost - It is the cost which is normally incurred at a given level of output under the conditions in which that level of output is normally attained.

Abnormal Cost - It is the cost which is not normally incurred at a given level of output in the conditions in which that level of output is normally attained. It is charged to the Costing Profit and loss account.

सामान्यता से

सामान्य लागत - यह वह लागत है जो सामान्य रूप से उत्पादन के दिए गए स्तर पर उन परिस्थितियों में खर्च की जाती है जिसमें उत्पादन का वह स्तर सामान्य रूप से प्राप्त होता है।

असामान्य लागत - यह वह लागत है जो सामान्य रूप से उत्पादन के दिए गए स्तर पर उन परिस्थितियों में खर्च नहीं की जाती है जिसमें उत्पादन का वह स्तर सामान्य रूप से प्राप्त होता है। इसे कॉस्टिंग प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट में चार्ज किया जाता है।

By Management-decision making

1. Differential costs: The differences in the total costs required in each of the alternatives is termed as 'Differential Costs'.
2. Relevant costs: Relevant costs are those costs which will be affected by a decision. Costs that are not affected by the decision are irrelevant to the decision and therefore ignored.
3. Sunk costs: Sunk costs are the costs which have been incurred in the past and it has nothing to do with the future decision.
4. Opportunity costs: An opportunity cost is a cost which has not been incurred and paid in cash. It is loss of earnings or potential benefits arising out of utilising an asset for another purpose.

प्रबंधन-निर्णय लेने से

1. विभेदक लागतें: प्रत्येक विकल्प में आवश्यक कुल लागतों के अंतर को 'विभेदक लागत' कहा जाता है।
2. प्रासंगिक लागतें: प्रासंगिक लागतें वे लागतें हैं जो किसी निर्णय से प्रभावित होंगी। लागत जो निर्णय से प्रभावित नहीं होती हैं वे निर्णय के लिए अप्रासंगिक हैं और इसलिए उनकी उपेक्षा की जाती है।
3. डूबी हुई लागत: डूबी लागत वे लागतें हैं जो अतीत में खर्च की गई हैं और इसका भविष्य के निर्णय से कोई लेना-देना नहीं है।
4. अवसर लागत: एक अवसर लागत एक ऐसी लागत है जिसे न तो खर्च किया गया है और न ही नकद में भुगतान किया गया है। यह किसी अन्य उद्देश्य के लिए किसी संपत्ति का उपयोग करने से उत्पन्न होने वाली कमाई या संभावित लाभ का नुकसान है।

Classification on the basis of product costs and period costs

1. Product costs: Product costs include all costs that are incurred for acquiring or manufacturing a product. For example, the cost of the battery used in the laptop is a product cost. In addition to direct material cost, direct labour cost and the manufacturing overhead is also considered as product cost.
2. Period costs: Period costs are those costs which are not included in the product costs. At the time of stock valuation, no part of these costs is taken into consideration. For example, Sales commission, and advertisements are good examples of period costs. Period costs are charged to the Profit and Loss Account of the period in which they have been incurred.

उत्पाद लागत और अवधि लागत के आधार पर वर्गीकरण

1. उत्पाद लागत: उत्पाद लागत में वे सभी लागतें शामिल होती हैं जो किसी उत्पाद को प्राप्त करने या निर्माण करने के लिए खर्च की जाती हैं। उदाहरण के लिए, लैपटॉप में प्रयुक्त बैटरी की लागत उत्पाद लागत है। प्रत्यक्ष सामग्री लागत के अलावा, प्रत्यक्ष श्रम लागत और विनिर्माण ओवरहेड को भी उत्पाद लागत के रूप में माना जाता है।
3. अवधि लागत: अवधि लागत वे लागतें हैं जो उत्पाद लागत में शामिल नहीं हैं। स्टॉक वैल्यूएशन के समय, इन लागतों के किसी भी हिस्से को ध्यान में नहीं रखा जाता है। उदाहरण के लिए, बिक्री आयोग और विज्ञापन अवधि की लागत के अच्छे उदाहरण हैं। अवधि की लागत उस अवधि के लाभ और हानि खाते से ली जाती है जिसमें वे खर्च किए गए हैं।

MULTIPLE CHOICE QUESTIONS

1. A taxi provider charges minimum Rs. 80 thereafter Rs. 12 per kilometer of distance travelled, the behaviour of conveyance cost is:

- a. Fixed Cost
- b. Semi-variable Cost
- c. Variable Cost
- d. Administrative cost

Ans: B

एक टैक्सी प्रदाता न्यूनतम ₹ 80 शुल्क लेता है, उसके बाद ₹ 12 प्रति किलोमीटर की दूरी तय करता है, परिवहन लागत का व्यवहार है:

ए। निश्चित लागत

सी। परिवर्तनीय लागत

बी। अर्ध-परिवर्तनीय लागत

डी। प्रशासनिक लागत

2. Distinction between direct cost and indirect cost is an example of _____ classification.

- a. By Element
- b. By Function
- c. By Controllability
- d. By Variability

Ans: A

प्रत्यक्ष लागत और अप्रत्यक्ष लागत के बीच का वर्गीकरण एक उदाहरण है

ए। तत्व द्वारा

सी। नियंत्रणीयता द्वारा

बी। समारोह द्वारा

डी। परिवर्तनशीलता द्वारा

3. Which of the following is an example of functional classification of cost:

- a. Semi-variable Costs
- b. Fixed Cost
- c. Administrative Overheads
- d. Indirect Overheads

Ans: C

निम्नलिखित में से कौन लागत के कार्यात्मक वर्गीकरण का एक उदाहरण है:

- ए। अर्ध-परिवर्तनीय लागत
- बी। निश्चित लागत

- सी। प्रशासनिक उपरिव्यय
- डी। अप्रत्यक्ष उपरिव्यय।

4. Fixed cost is a cost:

- a. Which changes in total in proportion to changes in output
- b. Which is partly fixed and partly variable in relation to output
- c. Which do not change in total during a given period despite changes in output
- d. Which remains same for each unit of output

Ans: C

स्थायी लागत एक लागत है:

- ए। जो उत्पादन में परिवर्तन के अनुपात में कुल परिवर्तन करता है
- बी। जो आउटपुट के संबंध में आंशिक रूप से स्थिर और आंशिक रूप से परिवर्तनशील है
- सी। जो एक निश्चित अवधि के दौरान कुल मिलाकर नहीं बदलता है, आउटपुट में परिवर्तन से घृणा करता है
- डी। जो आउटपुट की प्रत्येक इकाई के लिए समान रहता है

5. Sunk costs are:

- a. relevant for decision making
- b. Not relevant for decision making
- c. cost to be incurred in future
- d. future costs

Ans: B

डूबी लागत हैं:

ए। निर्णय लेने के लिए प्रासंगिक

बी। निर्णय लेने के लिए प्रासंगिक नहीं

सी। भविष्य में होने वाली लागत

डी। भविष्य की लागत

AFFAIRS WITH BUSINESS